

# अब ओलंपिक पदक पर है भारतीय हाकी टीम की नजरें

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम का लक्ष्य अब लांस एंजिल्स ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं है। इसके लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति को और बेहतर बनाना होगा। ये सही है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में एशिया में अपनी श्रेष्ठता को बार-बार साबित किया है, लेकिन जब बात दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबले की आती है, तो उसका प्रदर्शन कई बार लड़खड़ा गया है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने एशियाई दबदबे को वैश्विक मंच पर सफलता में बदलने की है। लास एंजिल्स ओलंपिक 2028 को लक्ष्य में रखते हुए, हाकी इंडिया को अपनी तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा और एक समग्र तथा आक्रामक खाका तैयार करना होगा।

भारत का एशिया में वर्चस्व बना हुआ है, लेकिन उसकी असली और कठिन परीक्षा हमेशा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर ही होती है। 2028 ओलंपिक तक पहुंचने वाले हर प्रशिक्षण सत्र, हर टेस्ट सीरीज और प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले का एकमात्र उद्देश्य भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हाकी खेलने वाली टीमों के स्तर तक पहुंचाना होना चाहिए। यह केवल शारीरिक कौशल का मामला नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, दबाव में निर्णय लेने और उच्च-स्तरीय रणनीति को लागू करने का भी है।

एफआईएच की विश्व रैंकिंग इस अंतर को दिखाती है। जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स शीर्ष पांच स्थानों पर मजबूती से काबिज हैं, जबकि भारतीय टीम आठवें नंबर पर संघर्ष करती दिखती है। बेशक, भारत एशिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है, लेकिन पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहने भर से विश्व स्तर पर सफलता की गारंटी नहीं मिल सकती। वैश्विक हाकी परिदृश्य में अपनी जगह बनाने के लिए हमें इस मानसिकता से ऊपर उठना होगा।

हाकी विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि भारतीय टीम को जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने की आवश्यकता है। ऐसी टीमों के साथ अधिक टेस्ट सीरीज और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को विभिन्न खेल शैलियों, तेज गति के खेल, निरंतर दबाव और उच्च स्तर की रणनीतिक समझ का बहुमूल्य अनुभव मिलेगा। यह अनुभव उन्हें कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।लास एंजिल्स 2028 के लिए भारतीय हाकी को अभी से अपनी रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। इसमें केवल सीनियर टीम ही नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के विकास और अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को तैयार करने पर भी विशेष जोर देना होगा।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत के खिलाफ सीरीज के दो मैच अमेरिका या कनाडा में आयोजित कर सकता है वेस्टइंडीज



दुबई। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड साल 2027 में भारत के खिलाफ होने वाली दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के दो मुकाबले अगेरिका या कनाडा में रख सकता है। इससे उत्तरी अमेरिका में भी खेल का प्रसार होगा। जुलाई 2027 में होने वाले इस दौरे में भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट, 3 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 5 टी-20 मुकाबले होने हैं। इनमें से पांच टी-20 मैचों में से, दो मुकाबले संयुक्त राज्य अमेरिका या कनाडा की धरती पर आयोजित किए जा सकते हैं, इससे इन क्षेत्रों में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी। इन बहुप्रतीक्षित मैचों की मेजबानी वाशिंगटन डीसी और कनाडा के टोरंटो शहर को मिल सकती है। इन दो प्रमुख विकल्पों के अलावा, अमेरिका के लास एंजेलिस और फ्लोरिडा स्थित लाडरहिल भी संभावित मेजबान शहरों की सूची में शामिल हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लाडरहिल ने पहले भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है, जबकि अन्य शहर क्रिकेट के बड़े आयोजनों के लिए नए बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं।

### भारत ने 10वीं बार जीती सैफ चैंपियनशिप: फिर पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने दिया गार्ड आफ आनर; मैदान पर दिखा अलग नजारा



नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव का असर पिछले कुछ समय से क्रिकेट के मैदान पर भी देखने को मिला है। दोनों देशों के खिलाड़ी मैच से पहले और बाद में हाथ मिलाने से बचते रहे हैं। हालांकि, फुटबाल के मैदान पर एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सैफ चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में भारत से हारने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। उन्होंने चैंपियन बनी भारतीय टीम को गार्ड आफ आनर दिया। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। हार के बाद पाकिस्तान ने भारत को दिया गार्ड आफ आनर ढाका के नेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबला खत्म होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी और कोच एक कतार में खड़े हो गए। उन्होंने मैदान से गुजर रही भारतीय टीम को गार्ड आफ आनर देकर जीत की बधाई दी। इसके अलावा पदक वितरण समारोह के दौरान भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए और हाई-फाइव किया। पाकिस्तान का यह व्यवहार खेल भावना का खूबसूरत उदाहरण बन गया।

### आईपीएल से संन्यास के बाद एमएस धोनी की पहली पोस्ट, मुकेश के गाने से बयां किया दर्द; बोले- फैंस ने मुझे गलत साबित कर दिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में खिलाड़ी के तौर पर अपने 19 साल के सफर को विराम दे दिया है।



चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से मेंटार बनाए जाने की घोषणा के बाद धोनी ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली भावुक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने अपने क्रिकेट करियर के यादगार पलों का वीडियो शेयर किया, जिसके बैकग्राउंड में दिवंगत गायक मुकेश का मशहूर गीत मैं हर इक पल का शायर हूं सुनाई दे रहा है। धोनी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फैंस ने मुझे गलत साबित कर दिया। इसे स्वीकार करने के लिए इससे बेहतर गाना नहीं हो सकता था। शायद इस गाने के दो वर्जन इसलिए बनाए गए, ताकि मैं गलती कर सकूं और फिर उसे स्वीकार कर सकूं। धोनी की इस पोस्ट को उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा से भी जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहते समय भी साहिर लुधियानवी के लिखे गीत मैं पल दो पल का शायर हूं का इस्तेमाल किया था। इस बार उन्होंने इसी गीत के दूसरे संस्करण के जरिए आईपीएल से विदाई का संदेश दिया। दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स ने घोषणा की कि धोनी अब टीम में खिलाड़ी के बजाय मेंटार की भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही आईपीएल में उनके खिलाड़ी के रूप में खेलने का सफर समाप्त हो गया। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया और दो बार चैंपियंस लीग टी-20 का खिताब दिलाया। उनकी पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने भावुक प्रतिक्रियाएं दीं।

# आईपीएल नीलामी से पहले टीमों ने बोल्ट से लेकर हेटमायर सहित इन खिलाड़ियों को रिलीज किया

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र 2024 के लिए होने वाली नीलामी से पहले सभी टीमों ने अपने रिटेन किये हुए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही सभी 10 फ्रेंचाइजी ने उन खिलाड़ियों को भी रिलीज कर दिया जिनकी उन्हें जरुरत नहीं थी। रिटेंशन सूची में दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। जिसमें विदेशी खिलाड़ी भी हैं। इससे ट्रेंट बोल्ट से लेकर जैकब बेथेल और शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। टीमों ने संतुलन और पर्स वैल्यू को ध्यान में रखते हुए ये बड़े फैसले लिए हैं।



मुंबई इंडियंस ने सबसे अधिक 14 खिलाड़ियों को रिलीज किया है, जिनमें ट्रेंट बोल्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। यह दिखाता कि टीम बड़े बदलावों के लिए तैयार है। वहीं सीएसके ने प्रशांत वीर, मैथ्यू शार्ट्स सहित 11 खिलाड़ियों को रिलीज कर नीलामी के लिए अपनी रणनीति साफ की। पंजाब किंग्स ने 6 और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जैकब बेथेल (चोटिल होने के कारण) सहित 5 खिलाड़ियों को रिलीज किया है।

वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स ने अजिंक्य रहाणे सहित कई खिलाड़ियों को बाहर किया है वहीं कैमरन ग्रीन को टीम में बरकरार रखा गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने मिचेल स्टार्क, नीतीश राणा सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्रेविस हेड सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया, जिनमें कुछ महंगे खिलाड़ी भी शामिल थे, जिससे उसके पास काफी राशि बची है। राजस्थान रायल्स ने शिम्रोन हेटमायर (11 करोड़ रुपये) जैसे महंगे खिलाड़ी सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स ने भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान सहित कुछ खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं, गुजरात टाइटंस ने बल्लेबाज शाहरुख खान (4 करोड़ रुपये) सहित 3 खिलाड़ियों को रिलीज कर काफी राशि बचायी है।

### मैनचेस्टर यूनाइटेड के नये मैनेजर बने मौरिसियो पोचेतीनो



लंदन। प्रीमियर लीग फुटबाल में खराब प्रदर्शन को देखते हुए इंग्लैंड के शीर्ष फुटबाल क्लबों में शामिल मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अर्जेंटीना के अनुभवी कोच मौरिसियो पोचेतीनो को अपना नया मैनेजर बनाया है। पोचेतीनो से पहले मैनेजर रहे माइकल कैरिक को क्लब ने उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आने से हटा दिया था। यूनाइटेड प्रीमियर लीग अंक तालिका में 18वें स्थान पर खिसक गयी है, जो उनके निराशाजनक सत्र को दिखाता है। क्लब के लिए मौजूदा प्रीमियर लीग सत्र बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने शुरुआती 10 मुकाबलों में सिर्फ एक जीत हासिल की है और उसके खाते में केवल 8 अंक हैं। इस प्रदर्शन के चलते क्लब अंक तालिका में नीचे खिसक गया है, जहां वह सबसे नीचे मौजूद क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक आगे है। सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर, यूनाइटेड ने अपने पिछले 15 मुकाबलों में केवल तीन जीत दर्ज की हैं। यह पिछले 40 वर्षों में लीग सत्र की उनकी सबसे खराब शुरुआत बताई जा रही है, जिसने प्रबंधन को कड़े कदम उठाने पर मजबूर किया। पोचेतीनो का नाम कैरिक को हटाये जाने के बाद से ही इस पद के लिए सबसे आगे था। 54 वर्षीय पोचेतीनो फुटबाल जगत में एक अनुभवी और सफल कोच के रूप में जाने जाते हैं। इससे पहले उन्होंने चेल्सी, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी), टाटनहम हाटस्पर और साउथैम्पटन जैसे बड़े क्लबों का प्रबंधन किया था। टाटनहम के साथ रहते हुए उन्होंने 2019 में टीम को चैंपियंस लीग के फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि पीएसजी के साथ उन्होंने फ्रांस की घरेलू प्रतियोगिताओं में कई खिताब जीते। क्लब को उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम इस मुश्किल दौर से बाहर निकल पाएगी और प्रदर्शन में सुधार होगा। पोचेतीनो वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मैनेजर की भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी फुटबाल महासंघ ने इस बात की पुष्टि की है कि पोचेतीनो हैती के खिलाफ आगामी मुकाबलों में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, जिसके बाद वह अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़ेंगे। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने भी इस समझौते की पुष्टि की है। गौरतलब है कि पोचेतीनो 2024 से अमेरिकी टीम के साथ थे और उनके नेतृत्व में अमेरिका ने 2026 फुटबाल विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बनाई थी, जबकि अमेरिका उस विश्व कप का सह-मेजबान भी था। मौजूद जानकारी के अनुसार, पोचेतीनो का अमेरिकी फुटबाल महासंघ के साथ करार 2030 विश्व कप तक था। इसलिए, उन्हें समय से पहले क्लब से जोड़ने के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड को भारी मुआवजा देना पड़ सकता है।

# भारतीय कप्तान के खिलाफ नस्लीय इशारे पर AIFF का एक्शन : AFC से की शिकायत, फुटेज की समीक्षा और कार्रवाई की मांग



नई दिल्ली

भारत और फलस्तीन के बीच अंडर-17 एशियन कप क्वालिफायर मुकाबले में भारतीय कप्तान दल्लालमुआन गंगटे की ओर कथित नस्लीय इशारे का मामला अब एशियाई फुटबाल परिसंघ तक पहुंच गया है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने इस घटना को लेकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। महासंघ ने AFC से मैच के फुटेज की समीक्षा करने और संबंधित नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने की मांग की है। यह घटना 17 नवंबर को कुआलालंपुर में खेले गए मुकाबले के दौरान हुई थी। वहीं, एक अन्य फलस्तीनी खिलाड़ी को भारतीय फुटबालर के खिलाफ बुरे तरीके से टैकल के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाया गया। हालांकि, इन घटनाओं का असर भारतीय टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। ब्लू कोल्ट्स ने शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबला 4-1 से अपने नाम किया।

**एआईएफएफ ने शिकायत में क्या कहा** - एआईएफएफ ने अपनी शिकायत में एएफसी से घटना की समीक्षा करने, उपलब्ध मैच फुटेज की जांच करने और लागू नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। महासंघ ने नस्लवाद और भेदभावपूर्ण व्यवहार के प्रति अपना कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि इस तरह का आचरण फुटबाल के बुनियादी मूल्यों के खिलाफ है।

एआईएफएफ ने कहा, हम किसी भी तरह के नस्लवाद या भेदभावपूर्ण व्यवहार को बेहद गंभीर मानते हैं। इस तरह का आचरण फुटबाल के मूलभूत मूल्यों- सम्मान, समानता, निष्पक्ष खेल और खेल भावना के विपरीत है। खेल में नस्लवाद या भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है और ऐसे व्यवहार को स्वीकार या बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

**भारतीय कप्तान के खिलाफ नस्लीय इशारे का आरोप** - मुकाबले के दौरान फलस्तीन के जर्सी नंबर 19 के खिलाड़ी को भारतीय कप्तान गंगटे के करीब नाक के सामने हाथ घुमाने जैसा इशारा करते देखा गया। इस हरकत की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे नस्लीय रूढ़िवादिता से जुड़ा इशारा माना, जिसका इस्तेमाल किसी समुदाय का अपमान करने के लिए किया जाता है।

यह घटना लाइव प्रसारण के कैमरे में भी कैद हुई, लेकिन मैच अधिकारियों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। मुकाबले में इससे पहले भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कई बार तनातनी देखने को मिली थी। मैच के नौवें मिनट के आसपास एक और विवादित घटना हुई। फलस्तीन के मोहम्मद जमहूर ने भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी।

# एलएनसीटी में आरजीपीवी राज्य स्तरीय कराते टूर्नामेंट का समापन



भोपाल। एलएनसीटीएस भोपाल में आयोजित आरजीपीवी राज्य स्तरीय कराते (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2026-27 का समापन एलएनसीटी यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न नोडल क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पुरुष वर्ग में आरजीपीवी इंदौर 20 अंकों के साथ चैंपियन और भोपाल 15 अंकों के साथ उपविजेता रहा। महिला वर्ग में आरजीपीवी भोपाल 25 अंकों के साथ चैंपियन बना, जबकि इंदौर और जबलपुर संयुक्त उपविजेता रहे। व्यक्तिगत मुकाबलों में महिला वर्ग में आस्था अग्रवाल, माही मारकन और हर्षाली बंजारा सहित छह खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते। पुरुष वर्ग में रजत पिल्लई, राजदीप सोलंकी और दिव्य ठाकुर सहित आठ खिलाड़ी विजेता रहे। समारोह में डॉ. केटी चतुर्वेदी, पंकज कुमार जैन और अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों को पदक एवं ट्रॉफी प्रदान की।

# सबसे तेज 1000 रन वाले टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में कई दिग्गज शामिल

मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट की बात जब आती है तो माना जाता है कि इसमें धीमी बल्लेबाजी होती है पर वास्तविकता इससे अलग है। टेस्ट क्रिकेट में भी कई क्रिकेटर ऐसे हुए हैं जिन्होंने बेहद तेजी से रन बनाये हैं। पांच दिन के इस प्रारुप में रन बनाना आसन नहीं होता ऐसे में सभी खिलाड़ियों का सपना इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अपनी अलग जगह बनाना रहता है। इस प्रारुप में कुछ खिलाड़ियों ने बड़ी तेजी से अपने 1000 रन पूरे किये हैं। ऐसे ही बल्लेबाजों की सूची में पहले नंबर पर इंग्लैंड के महान सलामी बल्लेबाज हर्बट सटक्लिफ आते हैं। सटक्लिफ ने साल 1924 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत के 244 दिनों के अंदर ही साल 1925 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में अपने 1,000 टेस्ट रन पूरे कर लिए। सटक्लिफ ने यह उपलब्धि अपने करियर के केवल 9वें मैच की 12वीं पारी में हासिल की, जो अपने आप में एक अविश्वसनीय और लंबे समय तक कायम रहने वाला रिकार्ड था।

सटक्लिफ के इस कीर्तिमान की बराबरी वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ईडी. वीकेंड्स ने की। वीकेंड्स ने साल 1948 में टेस्ट डेब्यू करने के एक साल में भारत के खिलाफ मुंबई के ब्रेबार्न स्टेडियम में 1,000 रन का आंकड़ा छू लिया।



उन्होंने भी सटक्लिफ की तरह 9 मैचों की 12 पारियों में ही यह मील का पत्थर हासिल किया, जिससे यह रिकार्ड और भी खास बन गया।वहीं महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन का नाम भी इस सूची में आता है। ब्रैडमैन ने 30 नवंबर 1928 को अपने टेस्ट सफर की शुरुआत की थी और 11 जुलाई 1930 को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए 1,000 रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 1 साल और 223 दिन लगे। हालांकि, उन्होंने यह असाधारण कारनामा केवल 7 मैचों की 13 पारियों में ही कर दिखाया, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और रिकार्ड तोड़ निरंतरता का सबसे बड़ा प्रमाण है। कम मैचों में यह उपलब्धि हासिल करना उन्हें और भी खास बनाता है।

आधुनिक युग की बात करें तो श्रीलंकाई सितारे कामिंडू मेंडिस का नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल है। मेंडिस ने 2022 को टेस्ट डेब्यू किया और एक साल के अंदर ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 2 साल और 80 दिन का समय लगा और उन्होंने अपने 8वें मैच की 13वीं पारी में यह सफलता हासिल की। आस्ट्रेलिया के आरएन हार्वे ने भी शुरुआती दौर में दमदार प्रदर्शन किया था। हार्वे ने जनवरी 1948 को डेब्यू करने के बाद, 1950 को ब्रिस्बेन में इंग्लैंड के खिलाफ अपने 1,000 रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 2 साल और 312 दिन लगे और उन्होंने 10 मैचों की 14 पारियों में यह मील का पत्थर हासिल किया।ये सभी आंकड़े बताते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में 1,000 रन का आंकड़ा जितनी तेजी से पार किया जाता है, वह बल्लेबाज की क्षमता और खेल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का एक शानदार उदाहरण है।

# रोहित-कोहली अब एक माह बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

मुम्बई

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अब अगले माह दिसंबर में ही खेलते नजर आयेंगे। इसका कारण है कि ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं जिसमें अब भारतीय टीम को अगले माह श्रीलंका से खेलना है। विराट और रोहित ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में खेला था पर ये दोनो ही रन बनाने में असफल रहे जिससे इनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। अब प्रशंसकों की नजरें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज पर लगी हैं। अभी भारतीय टीम न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेल रही है ओर इसी कारण विराट और रोहित को एक माह का ब्रेक मिला है। ये दोनो ही । दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज वापसी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे में विराट चार पारियों में कुल 86 रन ही बना पाये जिसमें एक अर्धशतकीय पारी 74 रन भी शामिल थी। इसके बाद वह बाकि चार मेचों में केवल कुछ ही रन बना पाये। वहीं रोहित का प्रदर्शन इससे भी निराशाजनक रहा, जिन्होंने चार पारियों में केवल 30 रन बनाए और दो बार वह शून्य पर ही आउट हो गये।

न्यूजीलैंड सीरीज के समापन के साथ ही इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लगभग एक महीने का आराम मिल गया है। जिसमें से अपनी लय हासिल करने पर काम कर सकते हैं। श्रीलंका की टीम भारत दौरे पर तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 13 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगी,



जिसके बाद अगले दो मुकाबले 16 दिसंबर को बेंगलुरु और 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इसके बाद 22 दिसंबर से टी20 सीरीज का आगाज होगा। हालांकि इसमें, रोहित और कोहली की उपलब्धता उनकी फिटनेस और चयन समिति के फैसले पर निर्भर करेगी।

रोहित के लिए श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलना हमेशा खास रहा है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड बेहद शानदार है, उन्होंने 55 वनडे मैचों में 45.93 की औसत से 2021 रन बनाए हैं। उनके नाम एकदिवीसय क्रिकेट में दर्ज तीन दोहरे शतकों में से दो श्रीलंका के खिलाफ ही आए हैं। इतना ही नहीं, एकदिवसीय में उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 264 रन भी श्रीलंकर के खिलाफ आया था।

भारत और श्रीलंका की पिछली एकदिवीसय सीरीज अगस्त 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम को निराशा हाथ लगी थी। उस सीरीज का पहला मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ था, जबकि अगले दोनों मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में घरेलू मैदान पर रोहित और कोहली जैसे दिग्गजों की वापसी के साथ, भारतीय टीम के पास श्रीलंका से पिछली हार का हिसाब बराबर करने और सीरीज जीतने का अच्छा अवसर होगा। प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि इस ब्रेक से दोनो दिग्गज अपनी लय हासिल कर लेंगे।

### श्रीलंका के भारत दौरे का कार्यक्रम

- 13 दिसंबर- पहला वनडे, विशाखापत्तनम, दोपहर 2:00 बजे
- 16 दिसंबर- दूसरा वनडे, बेंगलुरु, दोपहर 2:00 बजे
- 19 दिसंबर- तीसरा वनडे, अहमदाबाद, दोपहर 2:00 बजे
- 22 दिसंबर- पहला टी20, राजकोट, शाम 7:00 बजे
- 24 दिसंबर- दूसरा टी20, कटक, शाम 7:00 बजे
- 27 दिसंबर- तीसरा टी20, पुणे, शाम 7:00 बजे।